Tc.No.: GUJHIN00722

दैनिक

क्रांति समय

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480

E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्ष: 1 अंक: 21 , मंगलवार, 13 फरवरी 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.

ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

सार समाचार

यूपी के परिषदीय स्कूलों में मिलेगी 34 छुट्टियां,

इलाहाबाद। बेसिक शिक्षा परिषद के प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्कूलों में वर्ष 2018 के अवकाश का कैलेंडर सोमवार को जारी कर दिया गया। सचिव संजय सिन्हा की ओर से जारी कैलेंडर में 34 अवकाश का जिक्र है। स्थानीय स्तर पर दो अवकाश डीएम घोषित कर सकते हैं। 21 मई से 30 जून तक ग्रीष्मावकाश रहेगा। मंडलीय, जनपदीय रैलियों के बाद स्कूलों में अवकाश को गलत मानते हुए संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। वर्ष 2018 का कैलेंडर अब तक जारी नहीं हो सका था।

व्यापारियों ने दिल्ली को बंधक बना लिया : हाईकोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने सीलिंग अभियान के खिलाफ व्यापारियों के विरोध के बाद मास्टर प्लान में सरकार के प्रस्तावित संशोधन पर असहमति जताते हुए कहा कि कुछ लोगों ने ''शहर को बंधक बना लिया।'कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश गीता मित्तल और न्यायमूर्ति सी हरि शंकर की पीठ ने कहा कि धरने पर बैठकर ''आप मास्टर प्लान में बदलाव करवा सकते हैं।' पीठ ने कहा, ''इसलिए नहीं कि इसकी जरूरत है और न ही इस बात की जांच करने के बाद कि क्या शहर इसे संभाल सकता है। बल्कि यह इसलिए किया गया कि कुछ सौ लोग धरने पर बैठ गए।' उसने कहा, ''मास्टर प्लान में संशोधन किया जा रहा है क्योंकि व्यापारियों ने अपनी दुकानों को बंद करके शहर को बंधक बना लिया।' अदालत ने अधिकारियों से पूछा कि क्या मास्टर प्लान-2021 में प्रस्तावित संशोधन से पहले पर्यावरण पर असर का आकलन किया गया।मास्टर प्लान-2021 शहरी योजना और मेट्रोपोलिस के विस्तार के लिए ब्लूप्रिंट है जिसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि दुकानें एवं आवासीय प्लॉटों की एक समान दर हों।दिल्ली हाईकोर्ट ने सरकारी जमीन पर अवैध निर्माण और अतिक्रमण से जुड़ेमामलों की सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की। दिल्ली के व्यापारियों ने आवासीय इलाकों या परिसरों में चल रहे व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की सीलिंग के विरोध स्वरूप दो फरवरी को अपनी दुकानें बंद कर दी थी। इसके बाद दिल्ली विकास प्राधिकरण ने मास्टर प्लान में संशोधन करने का प्रस्ताव दिया। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि दिल्ली में इमारतों के निर्माण को मंजूरी देने के कायदे कानूनों को ''पूरी तरह तोड़ा गया' तथा उसने अवैध निर्माण पर चिंता जताई थी।

दिल्ली सरकार की विभागीय वेबसाइटों को दुरुस्त किया जाएगा

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने कई नए विकल्पों को शामिल कर अपने 180 विभागों के वेबसाइटों को नए सिरे से विकसित करने का फैसला किया है। यूजर की सुविधा के लिए वेबसाइट पर हिन्दी में सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी। सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग ने सभी सचिवों और प्रधान सचिवों को वेबसाइटों को नया कलेवर देने के लिए आईटी विभाग से समन्वय को लेकर एक नोडल अधिकारी नियुक्त करने को कहा है। योजना के अनुसार विभाग अपनी-अपनी वेबसाइटों पर हिन्दी में भी सामग्री उपलब्ध कराएंगे। अभी अधिकतर विभागीय वेबसाइटों पर केवल अंग्रेजी में सामग्री उपलब्ध है। अधिकारी के मुताबिक केंद्र सरकार ने भारत सरकार के वेबसाइटों के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

आतंकियों के खिलाफ अभियान सफलतापूर्वक संपन्न होगा : राजनाथ

नई दिल्ली। गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को विास जताया कि जम्मू में सैन्य कैंप पर हमला करने वाले आतंकवादियों के खिलाफ चल रहा अभियान जल्द ही सफलतापूर्वक संपन्न होगा।

दिल्ली सरकार की विभागीय वेबसाइटों को दुरुस्त किया जाएगा

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने कई नए विकल्पों को शामिल कर अपने 180 विभागों के वेबसाइटों को नए सिरे से विकसित करने का फैसला किया है। यूजर की सुविधा के लिए वेबसाइट पर हिन्दी में सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी। सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग ने सभी सचिवों और प्रधान सचिवों को वेबसाइटों को नया कलेवर देने के लिए आईटी विभाग से समन्वय को लेकर एक नोडल अधिकारी नियुक्त करने को कहा है। योजना के अनुसार विभाग अपनी-अपनी वेबसाइटों पर हिन्दी में भी सामग्री उपलब्ध कराएंगे।

»»» शोपियां मुठभेड़ केसः मेजर आदित्य के खिलाफ एफआईआर

सुप्रीम कोर्ट का स्टे, केंद्र व जम्मू-कश्मीर से जवाब मांगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। शोपियां में हुई गोलीबारी की घटना में आरोपी बनाए गए सैन्य अधिकारी के पिता की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट आज सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने मेजर आदित्य के खिलाफ हुए एफआईआर पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने केंद्र व जम्मू-कश्मीर सरकार से दो हफ्तों में जवाब मांगा है। साथ ही निर्देश दिया है कि मेजर आदित्य के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाए। कोर्ट ने अटार्नी जनरल केके वेणुगोपाल से भी कहा कि वे केंद सरकार की और से इस मामले में पक्ष रखेंगे. आपको बता दें कि पुलिस द्वारा सेना के मेजर आदित्य कुमार पर दर्ज की गई एफआईआर को खारिज करने की मांग करते हुए उनके पिता ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। लेफ्टिनेंट कर्नल करमवीर सिंह ने कहा है कि 10 गढ़वाल राइफल्स में मेजर उनके बेटे को एफआईआर में गलत और मनमाने ढंग से नामजद किया गया है, क्योंकि यह घटना अफस्पा वाले एक क्षेत्र में सैन्य ड्यूटी पर जा रहे सैन्य काफिले से जुड़ी है। इस सैन्य काफिले को घेर कर भीड़ ने उस पर पथराव किया जिससे कई सैन्य वाहन क्षतिग्रस्त हो गए।

सिंह की अर्जी कहती है कि उनके बेटे का इरादा केवल सैन्य कर्मियों और संपत्ति को बचाना था तथा आतंकी गतिविधि पर उतरी हिंसक भीड़ से बचने के वास्ते ही गोलियां चलायी गई थी। अर्जी के अनुसर भीड़ से चले जाने और सेना के काम में बाधा नहीं डालने तथा सरकारी संपत्ति को नुकसान नहीं पहुंचाने का अनुरोध किया गया। लेकिन जब स्थिति नियंत्रण के बाहर चली गई तब चेतावनी जारी की गई। ऐसे में जब हिंसक भीड़ ने एक जूनियर कमीशन प्राप्त अधिकारी को पकड़ लिया और उसे पीट-पीट कर मार डालने पर उतर आई तो भीड़ को हटाने के लिए चेतावनी में गोलियां चलाई गई।

सिंह ने जम्मू कश्मीर की स्थित से शीर्ष अदालत को अवगत करने के लिए पिछले साल भीड़ द्वारा डीएसपी मोहम्मद अयुब पंडित की पिटाई का भी हवाला दिया। उन्होंने यह बताना चाहा कि सेना के अधिकारी कश्मीर में हिंसक भीड़ को नियंत्रित करने के लिए किस स्थिति में काम कर रहे हैं। अर्जी में कहा गया है कि याचिकाकर्ता को जमीनी स्तर पर प्रतिकूल स्थिति के मद्देनजर सीधे इस अदालत में यह रिट याचिका दायर कर एफआईआर रद्द कराने की मांग करनी पड़ी। राज्य में नेता और प्रशासनिक अधिकारी एफआईआर को जिस तरह पेश कर रहे हैं वह राज्य की बिल्कुल प्रतिकूल स्थिति को परिलक्षित करता है। ऐसे में याचिकाकर्ता के पास अपने बेटे के मौलिक अधिकारों की रक्षा के वास्ते

संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत इस अदालत में आने के सिवा कोई रास्ता नहीं बचता। मेजर कुमार समेत सेना की 10 गढ़वाल यूनिट के कर्मियों पर रणबीर दंड संहिता की धारा 302 (हत्या) और 307(हत्या के प्रयास) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गयी है। दरअसल शोपिया के गनोवपोरा गांव में जब सैन्य कर्मियों ने पथराव कर रही भीड़ पर गोलिया चलाई थीं तब दो नागरिक मारे गए थे। उसके बाद मुख्यमंत्री ने इस घटना की जांच का आदेश दिया था।

राजकीय संप्रेषण गृह में बाल कैदियों का हंगामा, तोड़फोड़,

कानपुर (एजेंसी)। नौबस्ता स्थित राजकीय संप्रेषण गृह में सुबह बाल कैदियों ने चार साथियों को माती जेल ट्रांसफर किए जाने पर हंगामा शुरू कर दिया। इस दौरान जमकर उत्पाद मचाया। जेल अधीक्षक सहित कर्मचारियों पर हमला भी किया। सूचना पर पहुंची पुलिस किसी तरह उपद्रवियों को काबू कर पाई। बौद्धनगर धोबिन पुलिया के पास एक दो मंजिला मकान में महिला कल्याण विभाग उप्र का राजकीय संप्रेषण गृह (किशोरी) है, जिसमें मौजूदा समय में 51 बाल कैदी रखे गए हैं। माती कोर्ट के आदेश पर बालिग हुए चार कैदियों को माती जिला कारागार ले जाने के लिए सुबह 11 बजे फोर्स आई थी। फोर्स चार कैदियों को ले जाने की तैयारी कर रही थी कि बाल कैदियों ने हंगामा कर दिया। बाल कैदी साथियों को जिला कारागार भेजे जाने का विरोध करने लगे। चारों बालिग कैदियों को जबरिया ले जाने पर साथी उग्र हो गए, जिन्होंने तोड़फोड़ शुरू कर दी। रोकने पर अधीक्षक प्रमेंद्र कुमार सहित कई कर्मचारियों पर हमला किया। बाल कैदियों का आक्रोश देख फोर्स नीचे को भागी। इस दौरान बाल कैदियों ने संप्रेषण गृह की खिड़की के शीशें, रसोई का सामान और मेज-कुर्सी तोड़ डाली। कंट्रोल रूम की सूचना पर पहुंची पुलिस ने उत्पादियों को काबू किया, जिसके बाद अधीक्षक और कर्मचारियों की जान में जान आई।

केंद्र के सौतेले व्यवहार से पीड़ित है दिल्ली : सिसोदिया

कैम्ब्रिज। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी केंद्र के ''सौतेले व्यवहार' से पीड़ित है। उन्होंने आरोप लगाया कि संघीय सरकार इस बात को लेकर भ्रम में है कि उसे दिल्ली के साथ केंद्र शासित प्रदेश की तरह व्यवहार करना है या राज्य के जैसे। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल पूर्व में केंद्र पर ''एक निर्वाचित सरकार को परेशान करने' और उसके कामकाज में अड़ंगा लगाने का आरोप लगाते रहे हैं। वह केंद्रीय करों और शुल्कों में शहर की हिस्सेदारी को बढ़ाने की मांग भी करते रहे हैं। प्रतिष्ठित हार्वर्ड विविद्यालय द्वारा आयोजित वार्षिक भारतीय सम्मेलन में ''सहकारी और प्रतिस्पर्धी संघवाद' विषय पर आयोजित परिर्चचा के दौरान शनिवार को सिसोदिया ने कहा, दिल्ली केंद्र के सौतेले व्यवहार से पीड़ित है।

यूपी :समाजवाद पर योगी के बयान पर विधानसभा में हंगामा,कार्यवाही स्थगित

लखनऊ (एजेंसी)। विधानसभा में सोमवार को प्रश्नकाल खत्म होते ही सपा सदस्यों ने दो दिन पहले नेता सदन और मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ द्वारा समाजवाद पर टिप्पणी करने के मुद्दे पर खासा हंगामा किया। सपा सदस्य वेल में आ गए और जोरदार नारेबाजी कर मुख्यमंत्री के बयान पर चर्चा की मांग की। हंगामे के चलते सदन की कार्यवाही 15 मिनट के लिए स्थगित करनी पड़ी। इससे नाखुश सपा सदस्यों ने वेल में धरना दे दिया। बाद में सपा के हंगामे के चलते सदन की कार्यवाही मंगलवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। जैसे ही प्रश्नकाल समाप्त हुआ सपा के नेता प्रतिपक्ष राम गोविंद चौधरी ने नियम-110 का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री द्वारा समाजवाद पर टिप्पणी करने का मुद्दा उठाया। रामगोविंद चौधरी ने कहा कि सदन में आए सभी सदस्य किसी न किसी विचारधारा से प्रेरित होते हैं। समाज में सभी विचारधाराओं पूंजीवाद, एकात्मवाद, समाजवाद को स्थान दिया गया है। नेता सदन ने कहा है कि आज का समाजवाद आतंकवाद, भ्रष्टाचार, परिवारवाद का पोषक हो गया

है। उन्होंने निंदा करते हुए कहा कि आजादी के आंदोलन में समाजवादियों ने बराबर का हिस्सा लिया। चाहे जय प्रकाश नारायण हों, राम मनोहर लोहिया, चंद्रशेखर और जनेश्वर मिश्र जैसे नेताओं ने देश के लिए क्या नहीं किया। 1942 में समाजवादियों ने अंग्रेजी शासन को तार-तार करने के लिए सब कुछ किया। नेता सदन मुख्यमंत्री ने जो भाषण दिया उसकी निंदा करता हूं और उन्हें देश से माफी मांगनी चाहिए। इस पर संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना ने रामगोविंद चौधरी का कड़ा विरोध किया। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष से बात हो गई थी कि किसी दिन तय कर लेंगे और नेता सदन भी मौजूद रहेंगे। इसके बावजूद यह मुद्दा उठाना उचित नहीं है। तय हुआ था कि मुख्यमंत्री 15 को बोलेंगे। नेता सदन के दिल में हर दल के लिए पूरी इज्जत है। उसके बावजूद नेता प्रतिपक्ष न जाने कहां से गलत बातों का जखीरा लाए हैं। यह नया शिगूफा छोड़ रहे हैं। जब तक सत्तापक्ष में रहे तो नियमावली आदि की किताबों को उन्होंने ताले में बंद कर दिया था। और जब चाभी आई और ताला खोलने की नौबत आई तब तक इनकी सरकार चली गई। सुरेश खन्ना के विरोध करने पर सपा से सभी सदस्य नारेबाजी करते हुए वेल में उतर आए। उन्होंने टिप्पणी किए जाने की निंदा की। विधानसभा अध्यक्ष हृदयनारायण दीक्षित ने कहा कि मुख्यमंत्री ने तो डा. राम मनोहर लोहिया की तारीफ की है। इसमें कुछ नहीं है। वैसे भी सदन के बाहर कही बातों का संज्ञान नहीं लिया जाता। ऐसी परंपरा नहीं है। उन्होंने सदन को व्यवस्थित करने की कोशिश की और सपा सदस्यों से अपने स्थान पर लौट आने को कहा। इसके बावजूद सपा सदस्य जोरदार नारेबाजी करते रहे और सदन के वेल में बैठ गए। हंगामा जारी रहने पर विधानसभा अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही 15 मिनट के लिए स्थगित कर दी।

»»» सुंजवां आतंकी हमलाः

आतंकियों की गोली से घायल महिला ने दिया बच्ची को जन्म, दोनों सुरक्षित

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के सुंजवां आर्मी कैंप पर आतंकवादी हमले में एक एक गर्भवती महिला भी घायल हुई थी, जिसे सेना ने बचा लिया। इस महिला ने शनिवार को ही एक स्वस्थ्य बच्ची को जन्म दिया।

महिला को आतंकवादी हमले के दौरान गोली लगी थी। इसके बाद उसे प्रसव पीड़ा होने लगी। डॉक्टरों ने शनिवार रात को सी-सेक्शन के जरिए बच्चे की डिलिवरी कराई। इसके बाद महिला ने कहा, 'मेरी और मेरी बच्ची की जान बचाने के लिए मैं सेना का शुक्रिया अदा करती हूं।'

साहित्य अकादमी का वार्षिक साहित्योत्सव से शुरू

नई दिल्ली। साहित्य अकादेमी का वार्षिक साहित्योत्सव सोमवार से शुरू हो रहा है। इस साहित्योत्सव में देश के कोने-कोने से विभिन्न भाषाओं का प्रतिनिधित्व करने वाले लगभग 250 लेखक और विद्वान विविध कार्यक्रमों में भागीदारी कर रहे हैं। छः दिनों तक चलने वाले इस आयोजन की शुरूआत अकादेमी की वर्षभर के गातिविधियों की प्रदर्शनी से होगा। प्रदर्शनी का उद्घाटन प्रख्यात कथाकार चित्रा मुद्गल करेंगी। पहले दिन के कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण साहित्य अकादेमी पुरस्कार अर्पण समारोह होगा जो कमानी सभागार में सायं 5.30 बजे आयोजित होगा।

एम्स में खाली पड़े विभागों को मिले नए विभागाध्यक्ष

नई दिल्ली (एजेंसी)। लंबे समय से विभागाध्यक्षों के रिक्त पदों को भरने के लिए जूझ रहे अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) प्रशासन को आखिरकार स्थायी विभागाध्यक्ष मिल गए हैं। इस कार्य को अंजाम देने में नेशनल बोर्ड ऑफ एक्जामिनेशन (एनबीई), भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद (एमसीआई) के साथ ही केंद्रीय स्वास्य मंत्रालय की महत्वपूर्ण भूमिका रही। चयनित नये विभागाध्यक्षों में स्नायुतंत्रिका विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डा. कामेश्वर प्रसाद को अब सीएन सेंटर यानी न्यूरो साईसेज का चीफ बनाया गया है।

यह केंद्र दिमाग संबंधी विकृतियों वाले मरीजों के लिए सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है। यहां पर पहले एम्स के पूर्व निदेशक डा. पी वेणुगोपाल रहे इसके बाद इस पद पर डा. बलराम ऐरेन को प्रोन्नति दी गई थी। उनकी प्रोन्नति लंबे विवाद और प्रधानमंत्री कार्यालय के हस्तक्षेप पर की गई थी। वहीं हृदय तंत्रिका वक्ष केंद्र (सीटीवीएस) के डॉ. विनय बहल को अब सीटी सेंटर का विभागाध्यक्ष बनाया गया है। वह बलराम ऐरन की जगह लेंगे। डा. बलराम ऐरन और सीएन सेंटर के प्रमुख डा. एके महापात्रा के सेवानिवृत्त होने पर यह पद रिक्त हुए थे।

सीटी सेंटर में चार विभाग कॉर्डियो थोरेसिक वास्कुलर सर्जरी (सीटीवीएस), कॉर्डियोलॉजी, कार्डियक एनेस्थिसिया, कॉर्डियक रेडियोलॉजी विभाग हैं। इसमें डॉ. बहल सबसे वरिष्ठ थे। डॉ. एके महापात्रा के पास चीफ ऑफ न्यूरोसाइंसेज और डीन रिसर्च का भी पद था। वहीं एके महापात्रा के पास न्यूरोसर्जरी के विभागाध्यक्ष का भी कार्यभार था, इस पद पर अब डॉ. एसएस काले की नियुक्ति हुई है।

सीटीवीएस सर्जरी के प्रमुख की तस्वीर भी हुई साफ: कॉडियो थोरेसिक वॉस्कुलर सर्जरी (सीटीवीएस) विभाग का प्रमुख कौन होगा, इस बारे में स्थिति अब तक साफ नहीं थी।

इस पद के लिए मामला तो सुप्रीम कोर्ट में चला गया था। पहले इस पद पर बलराम ऐरन थे। उनके जाने के बाद इस विभाग के लिए दो डा. एके विसोई और डा. शिव चौधरी सुप्रीम कोर्ट चले गये थे, हालांकि सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद इस विभाग के प्रमुख डा. शिव चौधरी बना दिए गये हैं।

डीन रिसर्च बनीं चित्रा सरकार : वहीं डीन एकेडमिक के पद पर प्रोफेसर वाईके गुप्ता की नियुक्ति हुई है। वह फार्माकोलॉजी के विभागाध्यक्ष हैं। हालांकि वह इस साल मई में सेवानिवृत्त हो जाएंगे। इसी तरह पैथोलॉजी की सीनियर प्रोफेसर डॉ. चित्रा सरकार को डीन ऑफ रिसर्च बनाया गया है। एम्स के निदेशक डा. रणदीप गुलेरिया ने कहा कि स्थितियों में सुधार होगा। मरीजों की दिक्कतें कम होंगी। उन्होंने कहा कि जल्द ही रेजिडेंट्स व सीनियर फैकल्टी के पदों को भी भरने की प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी। इसका असर स्वास्य सेवाओं में सुधार से दर्ज किया जाएगा। मरीजों की वेटिंग भी कम होगी। एम्स में मरीजों का हर दिन क्षमता से दोगुना दबाव रहता है। मरीजों की यही दिक्कतें होती है कि उन्हें सीनियर डाक्टर नहीं देखते हैं, जूनियर सीनियर्स पर निर्भर रहते हैं। ऐसी शिकायतों में कमी आएगी।

सुधरेगी मरीजों की हालत

स्नायुतंत्रिका विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डा. कामेश्वर प्रसाद को बनाया अब सीएन सेंटर का चीफ डीन एकेडमिक के पद पर प्रोफेसर वाईके गुप्ता की नियुक्ति हुईसीनियर प्रोफेसर डॉ. चित्रा सरकार को डीन ऑफ रिसर्च बनाया गया

आप ने दिल्ली भर में निकाली विकास यात्रा

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार की तीन साल की उपलब्धियों को लेकर आम आदमी पार्टी ने रविवार को दिल्ली के सभी 70 विधानसभा क्षेत्र में विकास यात्राएं निकाली। विकास यात्रा का नेतृत्व दिल्ली सरकार के मंत्री व प्रदेश संयोजक गोपाल राय ने किया। इन विकास यात्राओं के माध्यम से आप ने दिल्ली सरकार द्वारा पिछले 3 साल में किए गए कायरे को जनता तक पहुंचाया। इसके अलावा पार्टी के विधायकों ने अपने विधानसभा क्षेत्र में कौन-कौन से काम जनता के लिए किए हैं उन सभी कायरे पर जनता से संवाद स्थापित किया। आम आदमी पार्टी के प्रदेश संयोजक और दिल्ली सरकार में मंत्री गोपाल राय ने अपनी विधानसभा बाबरपुर में विकास यात्रा निकाली। विकास यात्रा बाबरपुर बस टर्मिनल से शुरू होकर विधानसभा के अलग-अलग इलाकों में पहुंची। इस यात्रा के माध्यम से दिल्ली प्रदेश संयोजक ने दिल्ली सरकार द्वारा किए गए कायरे के बारे में जनता को अवगत कराया। इसके साथ ही बाबरपुर विधानसभा क्षेत्र में एक विधायक के तौर पर उन्होंने जो काम किए, उसे लेकर भी जनता से बात की। ठीक इसी तरह से आप के सभी विधायक, सरकार में सभी मंत्री, सभी पूर्व विधायक और संगठन के पदाधिकारियों ने पिछले तीन साल में दिल्ली सरकार के द्वारा किए गए।

दरिद्र व्यक्ति कुछ वस्तुएं चाहता है, विलासी बहुत सी और लालची सभी वस्तुएं चाहता है -अज्ञात

''ऑनलाइन'

सुंजवान सैन्य शिविर पर हमला करने वाले आतंकवादियों का मरना निश्चित था। पैरा कमांडो और गरु ड़ कमांडो ने जिस ढंग से आत्मघाती दस्ते का मुकाबला किया उसकी पूरी प्रशंसा की जानी चाहिए। आतंकियों के निशाने पर आवासीय परिसर एवं आयुध भंडार थे। यह सैन्य ऑपरेशन की सफलता मानी जाएगी कि आतंकवादी इसमें से किसी में सफल नहीं हुए। आवासीय परिसरों से लोगों को बाहर निकाल लिया गया और आयुध भंडार सुरक्षित बच गया। किंतु यह हमला जम्मू-कश्मीर के सैन्य स्थलों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर प्रश्न खड़ा करती है। इतने सुरक्षित सैन्य ब्रिगेड का सुरक्षा घेरा तोड़कर घुस जाना कोई सामान्य बात नहीं है। आखिर वे किस तरह चाहरदीवारी के नीचे सेंध बनाकर घुसने में कामयाब हो गए? सुबह के समय सैन्य वर्दी में हथियार लिये दौड़ते आतंकवादियों को सैर करने वाले ने टोका और वे गोलीबारी करने लगे। आतंकवादियों का अंत करने और शिविर को सुरक्षित घोषित करने में जितना समय लग रहा है, उससे अंदाजा लग जाता है कि उन्होंने कितना सोच-समझकर षड्यंत्र रचा था। इस हमले से जम्मू कश्मीर के लोगों के अंदर यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि अगर सैन्य अड्डे सुरक्षित नहीं हैं तो फिर हमारी सुरक्षा कौन करेगा? वास्तव में इस हमले ने राज्य के साथ देश के सभी ऐसे सैन्य शिविरों की सुरक्षा की नये सिरे से मूल्यांकन कर उसमें आवश्यक सुधार करना अपरिहार्य कर दिया है। इसके कुछ ही दिनों पहले आतंकवादियों ने अस्पताल परिसर के बाहर हमला करके जेल से स्वास्थ जांच के लिए लाए गए लश्कर-ए-तैयबा के एक खूंखार आतंकवादी को छुड़ा लिया। दोनों घटनाओं में सुरक्षा चूक साफ-साफ नजर आ रहा है। थल सेनाध्यक्ष जनरल बिपिन रावत भी जम्मू पहुंच गए हैं। जाहिर है, वे ऑपरेशन के साथ सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा भी कर रहे होंगे। ऐसे समय पूरे देश के एकजुट होने की आवश्यकता होती है। जम्मू-कश्मीर विधान सभा में कुछ सदस्यों ने पाकिस्तान के खिलाफ नारे लगाकर यही दिखाने का प्रयास किया था। लेकिन विधान सभा के अंदर नेशनल कांफ्रेंस के एक वरिष्ठ विधायक ने जिस तरह पाकिस्तान जिंदाबाद का नारा लगाया और बाद में भी अपने बयान पर कायम रहा, वह सन्न करने वाला है। आर्श्चय है कि न तो पार्टी ने उस विधायक को पार्टी से निकाला, न कोई कार्रवाई ही हुई। कायदे से उसकी गिरफ्तारी हो जानी चाहिए थी ताकि दूसरे आस्तीन के सांपों को सबक मिलता।

मौद्रिक नीति समीक्षा

अंदाजा तो पहले से होने लगा है कि जैसे-जैसे चुनावी वेला करीब आती जाएगी, राजनैतिक तल्खी तेज होती जाएगी। लेकिन लगातार नये-नये मुहावरे और विश्लेषणों की तलाश में मर्यादाएं भी छूटती जाएंगी, यह उम्मीद शायद नहीं की जा सकती। कर्नाटक की चुनावी सभा में कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने केंद्र की एनडीए सरकार पर तो आरोप लगाए ही, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर ''रियर मिरर व्यू' यानी पीछे देखू नजरिए का आरोप भी मढ़ा। उसके पहले बजट सत्र में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर जवाब देते हुए प्रधानमंत्री ने पिछली घटनाओं और प्रकरणों का जिक्र करके कांग्रेस पर तीखा हमला किया था। असल में दांव इतने ऊंचे हैं कि दोनों तरफ उतावलापन नजर आने लगा है। इस उतावलेपन से तल्खी लगातार बढ़ेगी और इससे राजनैतिक सहमतियों की जगह लगातार सिकुड़ती जाएगी, जो लोकतंत्र के स्वस्थ अस्तित्व के लिए बेहद जरूरी है। ऐसी तल्खी पहले भी देखने को मिली हैं लेकिन इतनी मर्यादा रखी जाती रही है कि व्यक्तिगत टिप्पणियां भी सिर्फमुद्दों को लेकर हों, किसी तरह की छींटाकशी न हो। यह हमेशा ध्यान रखना होगा कि मकसद सिर्फ येन-केन-प्रकारेण चुनाव जीतना भर न हो। दरअसल, चुनाव मुद्दों के प्रति जनता में जागरूकता लाने और सियासी फलक को भविष्य की दिशा में मोड़ने का मौका भी होता है। समय के साथ जो नई चुनौतियां उभरती हैं इसलिए चुनाव को लोकतंत्र को समृद्ध करने के लिए इस्तेमाल करना ही असली उद्देश्य होना चाहिए। आर्थिक प्रगति के लिए भी जरूरी है कि सियासत ऐसी सहमति के बिंदुओं पर जाकर खड़ी हो। तभी हम सभी विकल्पों को तौलते हुए खुशहाली के रास्ते पर चल सकेंगे। विकास प्रक्रिया में यह देखना भी जरूरी है कि वह समावेशी हो और सभी को उसका कमोबेश समान लाभ मिले। आज देश आर्थिक बदहाली के जिस कगार पर खड़ा है, उसमें यह सबसे जरूरी बन गया है कि विकास के तरीके पर विचार किया जाए। इसके लिए यह भी जरूरी है कि एक राजनैतिक सहमति का बिंदु तैयार हो, जहां से समस्याओं पर गंभीरता से विचार हो सके। आशा की जानी चाहिए कि नेता और राजनैतिक पार्टियों में इस लोतांत्रिक तकाजे का एहसास गहराए।

सत्संग

शिव भक्त

श्वक्तियोग में भक्त कृष्ण के अतिरिक्त और कोई इच्छा नहीं करता। शुद्धभक्त न तो स्वर्गलोग जाना चाहता है और न ब्रह्मज्योति से तादात्म्य या मोक्ष या भवबंधन से मुक्ति ही चाहता है। शुद्धभक्त किसी भी वस्तु की इच्छा नहीं करता। चैतन्यचरितामृत में शुद्धभक्त को निष्काम कहा गया है। उसे ही पूर्ण शांति का लाभ होता है। उन्हें नहीं जो स्वार्थ में लगे रहते हैं। एक ओर जहां ज्ञानयोगी, कर्मयोगी या हठयोगी का अपना-अपना स्वार्थ रहता है वहीं पूर्णभक्त में भगवान को प्रसन्न करने के अतिरिक्त अन्य कोई इच्छा नहीं होती। अत: भगवान कहते हैं कि जो एकनिष्ठ भाव से उनकी भक्त में लगा रहता है उसे वे सरलता से प्राप्त होते हैं। शुद्धभक्त सदैव कृष्ण के विभिन्न रूपों में से किसी एक की भक्ति में लगा रहता है। कृष्ण के अनेक स्वांश और अवतार हैं। यथा राम तथा नृसिंह। जिनमें से भक्त किसी एक रूप को चुनकर उसकी प्रेमाभक्ति में मन को स्थिर कर सकता है। ऐसे भक्त को उन अनेक समस्याओं का सामना नहीं करना पड़ता जो अन्य योग के अभ्यासकर्ताओं को झेलनी पड़ती है। भक्तियोग अत्यंत सरल शुद्ध और सुगम है। इसका शुभारंभ हरेकृष्ण जप से किया जा सकता है। भगवान सब पर कृपालु हैं किंतु जैसा कि पहले कहा जा चुका है, जो अनन्य भाव से उनकी सेवा करते हैं, वे उनके ऊपर विशेष कृपालु रहते हैं। भगवान ऐसे भक्तों की सहायता अनेक प्रकार से करते हैं। जैसा कि वेदों (कठोपनिषद) में कहा गया है- येमेवैष वृणुते तेन लभ्यस्तस्यैष आत्मा विवृणुते तनुं स्वाम अर्थात जिसने पूरी तह से भगवान की शरण ले ली है और जो उनकी भक्ति में लगा हुआ है, वही भगवान को यथारूप में समझ सकता है। गीता में भी कहा गया है- ददामि बुद्धियोगं तम। ऐसे भक्त को भगवान पर्याप्त बुद्धि प्रदान करते हैं, जिससे वह उन्हें भगवद्धाम में प्राप्त कर सकें। शुद्धभक्त का सबसे बड़ा गुण यह है कि वह देश और काल का विचार किये बिना अनन्य भाव से कृष्ण का ही चिंतन करता रहता है। उसे कहीं भी और किसी भी समय अपना सेवा कार्य करते रहने में समर्थ होना चाहिए। कुछ लोगों का कहना है कि भक्तों को वृंदावन जैसे पवित्र स्थानों में या किसी पवित्र नगर में-जहां भगवान रह चुके हैं, रहना चाहिए किंतु शुद्धभक्त कहीं भी रहकर अपनी भक्ति से वृंदावन जैसा वातावरण उत्पन्न कर सकता है। श्री अद्वैत ने चैतन्य महाप्रभु से कहा था-आप जहां भी हैं हे प्रभु! वहीं वृंदावन है।

''बेरोजगारों का हब'

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसद में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा का समापन जिस तरीके से किया, उसकी मिसाल शायद ही मिलेगी। उपलब्धियां गिनाई, मगर कांग्रेस की पूर्ववर्ती सरकारों को कोसते हुए। विपक्ष के सवालों के जवाब देने से बचते हुए उन्होंने कांग्रेस पर ही कई सवाल दागे। बेरोजगारी, एनपीए जैसे मुद्दे पर भी पीएम मोदी उल्टे कांग्रेस से सवाल करते दिखे। राजनीतिक जगत में बेहतरीन वक्ता के रूप में जो जगह नरेन्द्र मोदी ने करोड़ों लोगों के दिलों में बनाई है, यह भाषण उससे हटकर नजर आया। हालांकि, नरेन्द्र मोदी नहीं चाहेंगे कि चुनाव में बेरोजगारी मुद्दा बने, लेकिन इसे मुद्दा बनने का आधार भी तैयार हो गया है।

सतीश पेडणोकर

अयोध्या विवाद पर उच्चतम न्यायालय में चल रही सुनवाई पर पूरे देश की नजर है। इसलिए वहां से जो भी खबरें आतीं हैं वह सुर्खियां बनतीं हैं। उच्चतम न्यायालय ने 8 फरवरी की सुनवाई के दौरान कहा कि वह इसे सिर्फ भूमि विवाद के रूप में देख रही है। यानी वह केवल इस बात की सुनवाई करेगी कि 2.77 एकड़ की जो विवादित भूमि है उस पर किसका स्वामित्व बनता है? न्यायालय की इस टिप्पणी को लेकर कुछ प्रतिक्रियाएं आई हैं। लेकिन इस टिप्पणी को सकारात्मक दृष्टिकोण से देखने की आवश्यकता है। हमारी भावनाएं क्या हैं, हमारी आस्था क्या कहती हैं..आदि आधार पर न्यायालय न सुनवाई कर सकती है न कोई फैसला दे सकती है। न्यायालय को ठोस सबूतों और तयों के आधार पर फैसला करना होता है। इसलिए न्यायालय ने जो कुछ कहा है वह बिल्कुल स्वाभाविक है। न्यायालय के अंदर मामला ही यही है कि उस भूमि पर आखिर अधिकार किसका है? इसके अभी तीन पक्षकार हैं, निर्मोही अखाड़ा, रामलला विराजमान एवं सुन्नी वक्फ बोर्ड। शिया वक्फबोर्ड की ओर से हाल में उच्चतम न्यायालय में यह दावा दायर किया गया है कि उसमें सुन्नी वक्फ बोर्ड का नहीं उनका हक बनता है। न्यायालय इस पर क्या फैसला देती है यह आगे की बात है। लेकिन इस समय तीन ही पक्षकार हैं। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने भी इन्हीं तीन पक्षकारों की सुनवाई करके फैसला दिया था। इसलिए न्यायालय के इस कथन को सही परिप्रेक्ष्य में देखा जाना चाहिए। हम मानते हैं कि अयोध्या विवाद से करोड़ों की भावनाएं जुड़ीं हैं, पर न्यायालय के सामने जो 20 याचिकाएं इससे संबंधित लंबित हैं, जिनका संज्ञान लिया गया है, उन सारे में विवादास्पद भूमि पर दावा ही तो किया गया है। तो फिर फैसला दूसरी किसी बात का कैसे हो सकता है? हालांकि न्यायालय ने जो कहा है, उसको सीमित अर्थ में नहीं लिया जाए। इसका यह निष्कर्ष न निकाला जाए कि जो ऐतिहासिक, पुरातात्विक, या प्राचीन ग्रंथों से संबंधी सबूत हैं, उनको न्यायालय ने अपनी सुनवाई की परिधि से बाहर कर दिया है। बाजाब्ता सुनवाई आरंभ करने में देरी ही इसलिए हो रही है क्योंकि उच्च न्यायालय मेंप्रस्तुत इन सारे सबूतों और तयों के अनुवाद नहीं हो पाए हैं। न्यायालय ने स्वयं यह आदेश दिया है कि सभी पक्षों को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा की गई खुदाई के वीडियो उपलब्ध कराई जाए और उस पर जो खर्च आता है वह उनसे वसूल लिया जाए। पुरातत्व विभाग की खुदाई का वीडियो अगर सुनवाई में शामिल हो रहा है तो इसका अर्थ बिल्कुल साफ है। भूमि के स्वामित्व का निर्णय करते समय पूरी सूक्ष्मता से भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की ओर से दिए गए साक्ष्यों की भी जांच होगी। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने 1970, 1992 एवं 2003 में खुदाई की थी। इसी तरह जिन 42 ग्रंथों को उच्च न्यायालय में पेश किया गया, उनके संबंधित अंशों का भी अनुवाद हुआ है। ये ग्रंथ, संस्कृत, पाली, फारसी, अरबी, उर्दू आदि भाषाओं में हैं। कहा गया है कि केवल रामचरित मानस और श्रीमद्भागवत गीता के आवश्यक अंशों का अनुवाद होना शेष है। इसलिए यह आशंका भी किसी को नहीं होनी चाहिए कि उस स्थल से संबंधित बातें जो उनके धार्मिक ग्रंथों या अन्य ऐतिहासिक मान्यता वाली पुस्तकों में किया गया है वे शायद बाहर हो जाएंगे। वास्तव में इससे संबंधित साक्ष्य एवं तय जितने ज्यादा हैं, उनके आयाम जितने विस्तृत हैं उन्हीं से यह मामला ज्यादा जटिल हो जाता है। कुल 524 दस्तावेजों में से 504 के अनुवाद उच्चतम न्यायालय में दाखिल हो चुके हैं। जिन पुस्तकों की बात हमने की, उनसे संबंधित नौ हजार पृष्ठ हैं जिनका अनुवाद किया जाना था। इसके अलावा 90 हजार पृष्ठों में 87 गवाहों के बयान दर्ज हैं। जो सूचना है इनका अनुवाद और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण रिपोर्ट भी दाखिल हो चुका है। यह उम्मीद की जा सकती है कि 14 मार्च को होने वाली अगली सुनवाई तक सारे दस्तावेज सभी पक्षों को अनुवाद सहित उपलब्ध हो जाएंगे। उसके बाद न्यायालय अपनी सुविधानुसार नियमित सुनवाई कर सकेगा। शायद प्रतिदिन सुनवाई संभव न हो, क्योंकि जब यह मांग न्यायालय के समक्ष रखी गई तो मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति दीपक मिश्रा ने कहा कि यह मामला महत्त्वपूर्ण है और इसकी हमें चिंता है लेकिन न्यायालय के सामने 700 मामले ऐसे हैं, जिनकी सुनवाई के लिए याची गुहार कर रहे हैं। यह बात ठीक है कि देश इस लंबे विवाद का शीघ्र समाधान चाहता है। यह विवाद देश में सांप्रदायिक तनाव और आपसी दुर्भावना पैदा होने का कारण बना है। इसलिए देश के हित में भी यही है कि इसका जल्दी-से-जल्दी निपटारा हो जाए। न्यायालय के बाहर इसके समाधान के लिए बातचीत भी हो रही है। अगर हिन्दू और मुस्लिम पक्षों के बीच बातचीत से इसका समाधान हो जाए तो इससे बेहतर कुछ हो ही नहीं सकता। इसके कई बार प्रयास हुए। दोनों पक्ष आमने-सामने बैठे। विवाद जहां के तहां रहा। हां, राजनीतिक दल यदि ईमानदारी और गंभीरता से लगते तो कुछ रास्ता निकल सकता था। पर राजनीतिक दलों का सरोकार विवाद से ज्यादा अपने वोट बैंक से रहा है। ज्यादातर दल इसमें हाथ डालकर और स्पष्ट रुख अपनाकर अपना वोट आधार पर जोखिम नहीं उठाना चाहते। राजनीतिक दलों के बगैर दोनों पक्षों के बीच सहमति करने का दबाव नहीं पड़ सकता। राजनीतिक दल अपना रवैया बदलने से रहे। इसलिए हमें भावनाओं से बाहर आकर यह मान लेना होगा कि न्यायालय के अलावा इसका फैसला अब कहीं से संभव नहीं है। 30 सितम्बर 2010 को इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने एक फैसला दिया। उसने हालांकि इसे जमीन का विवाद नहीं माना था लेकिन जमीन को तीनों पक्षकारों के बीच बराबर बांट दिया। उसके बाद भी बातचीत कर समाधान निकाला जा सकता था। किंतु ऐसा नहीं हुआ तो इसके गहरे कारणों को हमें समझना होगा। सभी पक्ष उच्चतम न्यायालय गए और वे घोषणा कर रहे हैं कि जो भी फैसला आएगा वह हमें मंजूर होगा। तो उच्चतम न्यायालय एवं उसे लेकर पक्षकारों की टिप्पणियां उम्मीद जगाती हैं कि अयोध्या विवाद का समाधान शायद हो जाएगा। न्यायालय की अभी तक की सारी टिप्पणियां इसी ओर इशारा कर रही है।

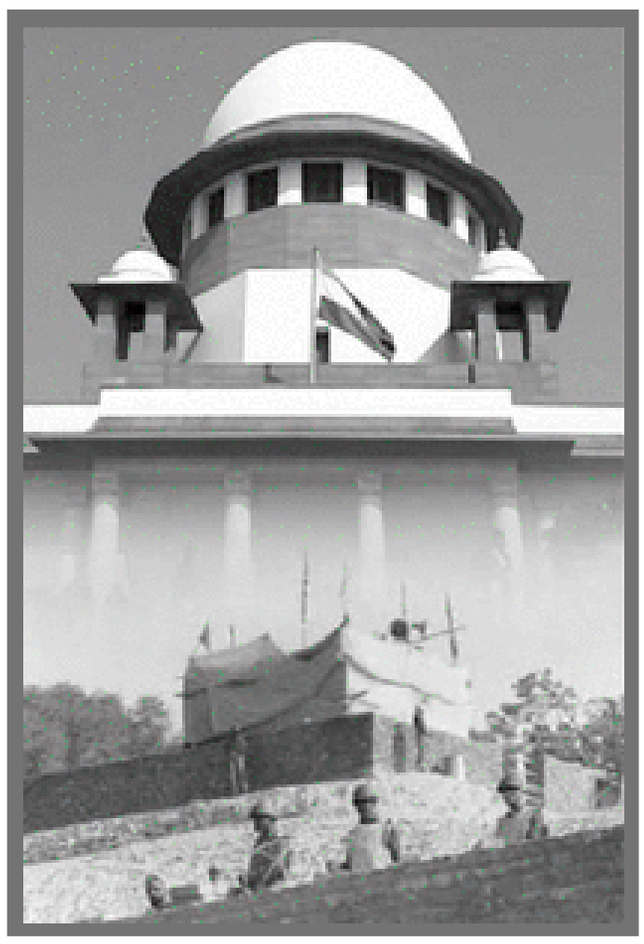

चलते चलते

''धरती पर गंदगी'

सेना से अलग राह चुनने वाले नेता राज ठाकरे अब व्यक्ति से विचार बनते जा रहे हैं। उत्तर भारतीयों के खिलाफ उनकी हिंसा की राजनीति की झलक गोवा सरकार में मंत्री विजय सरदेसाई के बयानों में मिली। सरदेसाई गोवा में गंदगी पर बात परते हुए इतना आगे बढ़ गए कि उत्तर भारतीयों को ''धरती पर गंदगी' की संज्ञा दे दी। उत्तर भारतीयों को ''सस्ते पर्यटकों' की श्रेणी में रखते हुए गोवा को ''हरियाणा' ना बनाने की बात कह डाली। गोवा फॉर्वड पार्टी के अध्यक्ष सरदेसाई के बयान में ईमानदारी कम, एक क्षेत्रीय दल के विभाजनकारी राजनीतिक एजेंडा की बू ज्यादा ज्यादा आ रही है। दरअसल, विजय सरदेसाई का बयान विशिष्ट होने की भावना से ज्यादा ग्रस्त है, जिसमें वे और राज्यों की तुलना में गोवा को ज्वादा विकसित बताते और दिखाते हैं। बयान में गोवा के विकास का गौरव कम उत्तर भारतीय राज्यों को उनके पिछड़ेपन का बोध करना ज्यादा दिखता है। एक तरफ उनकी स्वीकृति की पर्यटन के लिए गोवा उत्तर भारतीयों पर निर्भर है वहीं ''धरती पर गंदगी' उनके दोहरेपन को भी परिलक्षित करती है। लेकिन सरदेसाई यह भूल जाते हैं कि खनन माफिया ने गोवा के पर्यावरण का क्या हाल कर दिया, मादक पदार्थो का कारोबार किसी से छिपा नहीं है, जो कथित तौर पर उनके ''महंगे पर्यटकों' के इर्द-गिर्द पनपता रहा है। अपववाद हर समाज-संस्कृति में होते हैं, लेकिन सभी को एक ही चश्मे से देखना; दुर्भावना से ज्यादा नहीं। इस दकियानूसी विचार से सरदेसाई गोवा में गंदगी पर बात परते हुए इतना आगे बढ़ गए कि उत्तर भारतीयों को ''धरती पर गंदगी' की संज्ञा दे दी। उत्तर भारतीयों को ''सस्ते पर्यटकों' की श्रेणी में रखते हुए गोवा को ''हरियाणा' ना बनाने की बात कह डाली। एक क्षेत्र के लोगों का दूसरे क्षेत्र के प्रति पूर्वाग्रहों को ताकत मिलती है। अपनी राजनीतिक महत्त्वाकांक्षाओं के लिए दिए जाने वाले बयान देश को कहीं से मजबूती नहीं प्रदान करते। बेहतर तो यह होता की राष्ट्रवाद की झण्डाबरदार भाजपा के मुख्यमंत्री अपने इस मंत्री को मंत्रिमंडल से बाहर का रास्ता दिखाते। किंतु ऐसा नहीं हुआ। पर्यटक स्वच्छता को गंभीरता से लें, इसके लिए गोवा सरकार को सतही बयानबाजी से इतर जागरूरता कार्यक्रम कराने की दरकार है। ऑनस्पॉट सफाई के वर्कशाप आयोजित कर भी साफ-सफाई की बात कही जा सकती है। जहां तक हरियाणा की बात है, इसने अन्य उत्तर भारतीय राज्यों की तुलना में बेहतर तरक्की हासिल की है। दूसरा कोई उंगली ना उठाए, इसके लिए अपना सामाजिक व्यवहार दुरूस्त करने की जरूरत है, सिर्फ विरोध से छवि नहीं सुधरेगी।

फोटोग्राफी...

यह फोटो स्विट्जरलैंड में बर्न शहर के पास 'बर्नर ओबरलैंड' का है,जिसे ग्रीनलैंड के फोटोग्राफर मैक्स राइव ने क्लिक किया है। वे यहां स्कूल के दिनों में आए थे और तभी उन्होंने विचार किया था कि वे यहां दोबारा आएंगे। आज वे कहते हैं, मेरा सौभाग्य है कि मैं फिर यहां आ सका। यहां एल्प्स पर्वत श्रृंखला की खूबसूरती अद् भुत है। यहां की सभी जगहें वैसी ही हैं,लेकिन इस बार पहुंचने का अनुभव सबसे यादगार रहा। 2,164 मीटर की ऊंचाई वाली इस जगह पर थुन झील भी है, जो पर्वतों से आने वाले पानी से बनी है। मैक्स ने बताया कि शाम होते ही यहां अक्सर इतने अधिक बादल एकत्र हो जाते हैं कि पर्वत चोटियां नजर नहीं आतीं इसीलिए उन्होंने सूर्योदय के बाद यह फोटो क्लिक किया। facebook.com

नई परियोजनाए

आधुनिक दुनिया में कारें विकास का प्रतीक बन गई हैं। दो साल पहले (2016 में) आयकर विभाग ने टैक्स चुकाने वालों का एक आंकड़ा पेश कर एक तुलना की थी। उसने कहा था कि देश में सिर्फ 24.4 लाख करदाताओं ने अपनी सालाना आय दस लाख से ज्यादा बताई, जबकि हर साल यहां 25 लाख कारें खरीदी जा रही हैं। खास बात यह है कि इनमें से करीब 35 हजार कारें लग्जरी गाड़ियों में आती हैं, जिनकी कीमत दस लाख से ज्यादा होती है। सवाल यह उठाया गया है कि जब आमदनी नहीं है तो आखिर महंगी कारें खरीदने वाले लोग कौन हैं ?बहरहाल, दिल्ली के नजदीक ग्रेटर नोएडा में आयोजित देश के 14वें ऑटो एक्सपो में देश-विदेश की ज्यादातर कार कंपनियां इस हसरत के साथ भागीदारी कर रही हैं कि कार बाजार में होने वाला उछाल उनकी हालत ही नहीं सुधारेगा, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था में भी प्राण फूंक देगा, भले ही कार खरीदने वाले लोग इनकम टैक्स ना दें। इधर, पिछले कुछ वर्षो में दिल्ली और गुड़गांव आदि शहरों में अपनाए गए सम-विषम (ऑड-ईवन) के फॉर्मूले से घबराई कार कंपनियों को डर है कि कहीं ऐसे नुस्खे ज्यादा राज्यों में या पूरे देश में न फैल जाएं। हमारे देश में यह तकरीबन साबित हो चुका है कि मिडिल क्लास भी कार के मामले में दिखावे को अहमियत देता है, न कि जरूरत को। वे लोग भी कार खरीदते हैं, जिनके घर के पड़ोस में आसानी से सार्वजनिक बस-ऑटो से लेकर मेट्रो तक के विकल्प उपलब्ध हैं। इधर पिछले दो-तीन वर्षो से कंपनियां कारों की बिक्री में हुई थोड़ी-बहुत कमी से घबराई हुई हैं। यही वजह है कि कार कंपनियां ग्रेटर नोएडा ऑटो एक्सपो जैसे आयोजनों में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रही हैं और यह सपना देख रही हैं कि इस देश की विशाल मध्यवर्गीय आबादी, जिसकी खरीद क्षमता में पिछले एक-डेढ़ दशकों में काफी इजाफा हुआ है, कारों पर मेहरबान होगी और कार कंपनियों को मालामाल कर देगी। अलबत्ता ज्यादातर परिवारों के लिए महंगी-से-महंगी कारें स्टेटस सिंबल जरूर हैं लेकिन ध्यान रहे कि स्टेटस बढ़ाने वाली कारें किसी समस्या का समाधान नहीं सुझाती हैं, जबकि हमारे देश में किसी भी ऐसे उपक्रम का पहला उद्देश्य बड़ी दिक्कतों को हल निकालना होना चाहिए। यूं देश में एक तबका ऐसा भी है, जो कारों को जरूरी कमोडिटी (साधन) मानता है। आज की पीढ़ी कहीं आने-जाने के लिए बस, मेट्रो या ऑटो-टैक्सी पर निर्भर नहीं रहना चाहती, बल्कि वह निजी ट्रांसपोर्ट की हिमायती है। कारों को समस्या के रूप में देखने की नीति या समझ के विरोधियों का एक अलग मत है। वे कहते हैं कि समस्या कारें नहीं, बल्कि सड़कों व ट्रांसपोर्ट के दूसरे इंतजामों की है। हमारे देश में ज्यादातर सड़कें कारों के हिसाब से डिजाइन नहीं की गई। पार्किंग के समुचित प्रबंध नहीं किए। ऐसी ही समस्याओं के चलते कारें किसी समस्या का समाधान बनने की बजाय खुद में एक समस्या बन गई हैं। पर्यावरणविद् सवाल उठाते हैं कि आखिर देश में कारों की जरूरत ही क्यों होनी चाहिए, जबकि सार्वजनिक परिवहन पग्राली को बेहतर करके लोगों की ट्रांसपोर्ट संबंधी जरूरतों का आसानी से हल निकाला जा सकता है। देश में आप जितनी चाहें उतनी निजी कारें खरीद सकते हैं, चला सकते हैं। मगर इसके विकल्प के रूप में जो सार्वजनिक परिवहन की सुविधा होनी चाहिए, वह नदारद है। जैसे दिल्ली में कुल ट्रैफिक का 75 प्रतिशत हिस्सा निजी कारों का है लेकिन उनसे यात्रा की 20 प्रतिशत से भी कम जरूरत पूरी होती है। यह हालत तब है जब इस शहर के केवल 30 प्रतिशत परिवारों के पास कार की सुविधा है। ऐसे में कारों का अंधाधुंध उत्पादन और खरीद ट्रैफिक और प्रदूषण का क्या हाल करेगा, इस बारे में विचार ही किया जाना चाहिए।

गोकुलम केरल एफसी ने मोहन बागान को 2-1 से हराया

कोलकाता। पदार्पण कर रहे गोकुलम केरल एफसी ने हेनरी किसेकास के 90वें मिनट में दागे गोल की बदौलत पूर्व चैंपियन मोहन बागान आईलीग फुटबाल टूर्नामेंट में 2-1 से हराकर सत्र की अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज की। युगांडा ने हेनरी ने इससे पहले 77वें मिनट में शानदार मूव बनाया जिसे महमूद अल अजमिस ने गोल में बदला। मोहन बागान ने हालांकि टूर्नामेंट के शीर्ष स्कोरर दिपांदा डिका की बदौलत अगले ही मिनट में बराबरी हासिल कर ली। हेनरी ने इसके बाद अंतिम लम्हों में गोल दागकर केरल की टीम की जीत सुनिश्चित की।केरल की टीम की 13 मैचों में यह चौथी जीत है।

सेरेना विलियम्स ने वीनस के साथ की कोर्ट पर वापसी

एशविले। सेरेना विलियम्स ने अपनी बहन वीनस के साथ टेनिस कोर्ट पर जीत से वापसी की जिससे अमेरिका ने फेड कप में नीदरलैंड को 3-0 से हरा दिया। सेरेना का 2017 आस्ट्रेलियन ओपन में 23वां ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने के बाद यह पहला प्रतिस्पर्धी मैच था और 2003 के बाद दोनों बहनों ने पहली बार इस टूर्नामेंट में युगल मुकाबला खेला है। यह 36 वर्षीय खिलाड़ी अपनी बेटी एलेक्सिस ओलंपिया के जन्म के बाद से टेनिस कोर्ट से दूर थीं।

दोनों बहने एक साथ मिलकर 22 युगल खिताब जीत चुकी हैं, जिसमें से पिछला मुकाबला 2016 विम्बलडन में था।

देविंदर, सोनिया ने एशियाई खेल परीक्षण स्पर्धा में जीता स्वर्ण

जकार्ता। भारतीय खिलाड़ियों ने रविवार को यहां एशियाई खेल आमंत्रण एथलेटिक्स परीक्षण स्पर्धा के पहले दिन दो स्वर्ण के साथ तीन रजत और इतने ही कांस्य पदक जीते। भाला फेंक में देविंदर सिंह कांग ने सत्र की अपनी पहली स्पर्धा में भारतीय दबदबे को कायम किया। लंदन में हुई विश्व चैम्पियनशिप 2017 के फाइनल में पहुंचने वाले कांग ने 75.87 मीटर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। श्रीलंका के रानाभसघे देनागमागे (75.39 मीटर) दूसरे और भारत के सचिन सिलवाल (68.12) तीसरे स्थान पर रहे। देश को दूसरा स्वर्ण सोनिया बैश्य ने दिलाया जिन्होंने 400 मीटर की दौड़ को 53.53 सेकेन्ड में पूरा किया जबकि नित्या श्री आनंदा 54.34 सेकेन्ड के साथ दूसरे स्थान पर रही। पुरुषों की 400 मीटर दौड़ में जीतू बेबी स्वर्ण पदक जीतने से चूक गये। 46.88 सेकेन्ड का समय लेने वाले श्रीलंका के पट्टिया मुल्लेवाथ्थ से वह सिर्फ 0.05 सेकेन्ड पीछे रहे। भारत को दो अन्य पदक वी नीना और नयना जेम्स ने महिलाओं की ऊंची कूद स्पर्धा में दिलाए। ईलाकियादासन ने 100 मीटर दौड़ को 10.38 सेकेन्ड में पूरा कर कांस्य पदक अपने नाम किया।

धोनी की कप्तानी में खेलने को लेकर उत्साहित हूं: शेन वाटसन

चेन्नई। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व हरफनमौला खिलाड़ी शेन वाटसन ने कहा कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का प्रतिनिधित्व करना सम्मान की बात है और महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में खेलना के बारे में सोच कर वह काफी रोमांचित हैं।

सीएसके की वेबसाइट के मुताबिक वाटसन ने कहा, ''चेन्नई सुपर किंग्स का इतिहास शानदार रहा है और ऐसी महान फ्रेंचाइजी के लिए खेलना सम्मान की बात है। धोनी की कप्तानी में खेलने के बारे में सोच कर मैं रोमांचित हूं।'' इस ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर ने 2008 से 2015 तक राजस्थान रॉयल्स और पिछले दो सत्र में रॉयल चैलेंजर बेंगलूर का प्रतिनिधित्व किया है। उन्होंने कहा कि चेन्नई जुड़ने के बाद शुरूआत में यह थोड़ा अजीब सा होगा क्योंकि राजस्थान रॉयल्स की टीम सीएसके की बड़ी प्रतिद्वंद्वी रही है। वाटसन ने कहा, ''सीएसके के साथ शुरूआत में यह थोड़ा अजीब सा होने वाला है क्योंकि सीएसके राजस्थान रॉयल्स की बड़ी प्रतिद्वंदियों में से एक थी। लेकिन इसमें ढलने में ज्यादा समय नहीं लगेगा।'' अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से 2016 में संन्यास लेने वाले 36 साल के वाटसन ने हाल में बिग बैश लीग में सिडनी थंडर के लिए अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा, '' सीएसके की कोई भी टीम जिसमें धोनी, (सुरेश) रैना और (रविन्द्र) जडेजा जैसे खिलाड़ी हो वह हमेशा शानदार होगी और हमेशा अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगे। वाटसन ने आईपीएल के 102 मैच में 138-65 की स्ट्राइक रेट से 2,622 रन बनाने के अलावा 21-63 की औसत से 86 विकेट भी लिए हैं।

दक्षिण अफ्रीकी सरजमीं पर इतिहास रचने के इरादें से उतरेगा भारत

पोर्ट एलिजाबेथ (एजेंसी)।

पिछले मैच में शिकस्त झेलने वाली भारतीय टीम मंगलवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाले पांचवें एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में जीत दर्ज कर यहां पहली वनडे सीरीज अपने नाम करके इतिहास बनाने की कोशिश करेगी। इस छह मैचों की वनडे सीरीज में भारतीय टीम 3-1 से आगे है और वह चाहेगी कि वह इस बढ़त का फायदा उठाये। टीम ने डरबन में पहला मैच छह विकेट, सेंचुरियन में नौ विकेट और केप टाउन में 124 रन से जीता था। लेकिन मेजबान टीम ने बारिश से प्रभावित चौथे वनडे में पांच विकेट से जीत हासिल कर वापसी की।

दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजी लाइन अप और भारत के कलाई के स्पिनरों के बीच अब भी मुकाबला अहम है। जोहानिसबर्ग में हालांकि बारिश के कारण हुई दो बार की बाधा ने भारत की बल्लेबाजी और गेंदबाजी में लय बिगाड़ दी। सबसे अहम बात यह रही कि बारिश के कारण लक्ष्य में संशोधन किया गया और एबी डिविलियर्स के जल्दी पवेलियन लौटने के बावजूद मेजबानों को इसे हासिल करने में जरा भी परेशानी नहीं हुई। यह मैच टी20 की तर्ज पर ही हुआ जिसमें डेविड मिलर और हेनरिक क्लासन ने भारत के कलाई के स्पिनरों के खिलाफ आक्रामक बल्लेबाजी कर मैच छीन लिया। निश्चित रूप से भारत को कैच छोड़ने के अलावा मिलर को 'नो बॉल' फेंकना भारी पड़ा। लेकिन इससे यह साबित नहीं होता कि दक्षिण अफ्रीका ने युजवेंद्र चहल और कुलदीप यादव की कलाई की स्पिन का सामना करना सीख लिया है।

साथ ही भुवनेश्वर कुमार और जसप्रीत बुमरा

का अच्छी तरह इस्तेमाल नहीं किया गया क्योंकि विराट कोहली ने स्पिनरों पर ही ज्यादा भरोसा दिखाया जबकि वे दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजों की आक्रामकता को रोकने में असफल रहे थे। इसे देखते हुए पोर्ट एलिजाबेथ में भारतीय टीम का चयन काफी अहम रहेगा। केदार जाधव की फिटनेस पर अब भी सवालिया निशान बना हुआ है जिन्हें केप टाउन में हैमस्ट्रिंग चोट लगी थी और वह पिछला मैच भी नहीं खेल सके थे।

उनकी अनुपस्थिति में भारत एक भरोसेमंद गेंदबाजी विकल्प गंवा देगा। जाधव में धीमी स्पिन गेंदबाजी करने की काबिलियत है और वह इसे परिस्थितियों के अनुकूल ढाल लेते हैं जिससे वह चहल और यादव के साथ अच्छी तरह घुलमिल जाते हैं। उनकी अनुपस्थिति में भारत के पास ज्यादा विकल्प नहीं हैं। वहीं रोहित शर्मा ने वनडे में अंतिम बार जनवरी 2016 में पर्थ में गेंदबाजी की थी। श्रेयस अय्यर ने अपनी लेग ब्रेक का अभ्यास किया था, पर उन्होंने अपनी पदार्पण सीरीज में श्रीलंका के खिलाफ सिर्फ एक ही ओवर फेंका था। लेकिन इनमें से कोई भी जाधव जैसा भरोसेमंद विकल्प मुहैया नहीं कराता। कोहली भी एक अन्य दावेदार हैं लेकिन वह सीम-अप से गेंदबाजी करते हैं।

मध्यक्रम में भले ही समस्या हो लेकिन टीम को जाधव की बल्लेबाजी के बजाय उनकी गेंदबाजी की काफी कमी खलेगी जिससे संकेत मिलता है कि भारतीय टीम का संतुलन अब भी सर्वश्रेष्ठ नहीं है। अजिंक्य रहाणे ने चौथे नंबर पर वापसी करते हुए 79 रन की पारी के बाद 11 और आठ रन बनाये हैं। हार्दिक पंड्या का बल्ले से दौरा काफी खराब रहा है, उन्होंने पिछली दो पारियों में 14 और नौ रन बनाये हैं। सिर्फ महेंद्र सिंह धोनी ने ही मध्यक्रम में 43 गेंद में नाबाद 42 रन बनाये, जिससे टीम जोहानिसबर्ग में जूझती रही।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की निगाहें टी20 सीरीज जीतने पर

पोचेफस्ट्रूम। भारतीय महिला क्रिकेट टीम को भले ही वनडे सीरीज के अंतिम मैच में करीबी हार मिली हो लेकिन इससे उनके आत्मविश्वास में जरा भी कमी नहीं आयी है और अब उसकी निगाहें कल से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरू होने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज जीतने पर लगी हैं। पहले दो वनडे में शानदार जीत के बाद भारतीय महिला टीम को पिछले शुक्रवार को हुए तीसरे वनडे में सात विकेट से हार मिली। इस हार से हालांकि कोई फर्क नहीं पड़ा क्योंकि भारतीय टीम ने तीन मैचों की वनडे सीरीज अपने नाम कर ली। हालांकि यह हार टीम के लिये झटका थी लेकिन वह इस निराशा को पीछे छोड़ना चाहेगी और टी20 में अपना अभियान जीत से शुरू करना चाहेगी। मेहमान टीम पहले दो वनडे में बेहतरीन थी, जिसमें उसने 88 और 178 रन की शानदार जीत दर्ज की। मिताली राज की अगुवाई में टीम वनडे सीरीज में खेली थी लेकिन टी20 में टीम की जिम्मेदारी हरमनप्रीत कौर के कंधों पर होगी। वहीं फार्म में चल रही स्मृति मंधाना उप कप्तान होंगी।

टी20 विशेषज्ञ अनुजा पाटिल और पदार्पण कर रही आल राउंडर राधा यादव तथा विकेटकीपर नुजहत परवीन के शामिल होने से भी टीम मजबूत होगी। टी20 टीम में 17 वर्षीय मुंबई की खिलाड़ी जेमिमा रोड्रिगेज शामिल है जो अंडर-19 मैच में 163 गेंद में 202 रन बनाकर सुर्खियों में आयी थीं। अंतिम वनडे में असफलता के बाद भारतीय टीम मंधाना पर काफी निर्भर होगी कि वह पारी की मजबूत शुरूआत करायें। दीप्ति शर्मा और वेद कृष्णमूर्ति भी छोटे प्रारूप में अपनी अच्छी फार्म जारी रखना चाहेंगी जिन्होंने अंतिम वनडे में क्रमश: 79 और 56 रन बनाये। भारत की सफलता कप्तान हरमनप्रीत और मिताली राज के योगदान पर काफी निर्भर करती है। गेंदबाजी में अनुभवी झूलन गोस्वामी के अंतिम एकादश में लौटने की उम्मीद है जिन्हें तीसरे वनडे में आराम दिया गया था। झूलन की अनुपस्थिति में भारतीय गेंदबाजी आक्रमण में पैनेपन की कमी थी जिससे दक्षिण अफ्रीका की सांत्वना जीत में मिगनोन डु प्रीज ने 90 रन की शानदार पारी खेली थी।

इन दो मैचों में रही ये समानता, पर बदला परिणाम

शारजाह (एजेंसी)।

पांच महीने बाद टीम में लौटे विकेटकीपर बल्लेबाज ब्रैंडन टेलर (125) के शानदार शतक के बाद कप्तान ग्रीम क्रेमर (41 रन पर चार विकेट) की घातक गेंदबाजी की बदौलत जिम्बाब्वे ने अफगानिस्तान को दूसरे एकदिवसीय क्रिकेट मैच में 154 रन से हराकर पांच मैचों की वनडे सीरीज में 1-1 से बराबरी कर ली। जिम्बाब्वे ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 333 रन का विशाल स्कोर बनाया और फिर अफगानिस्तान को 30.1 ओवर में 179 रन पर ढेरकर 154 रन से मैच जीत लिया। अफगानिस्तान ने भी पहला वनडे मैच 154 रन से जीता था जब उसने 333 रन बनाकर जिम्बाब्वे को 179 रन पर समेट दिया था। लेकिन जिम्बाब्वे ने भी दूसरा वनडे 154 रन से जीतकर सीरीज में 1-1 से बराबरी कर ली है। यहां रविवार रात खेले गए दूसरे वनडे मैच में जिम्बाब्वे के लिए टेलर ने 121 गेंदों पर पांच चौकों और आठ शानदार छक्कों की बदौलत 125 रन की शतकीय पारी खेली। टेलर का वनडे में यह नौवां शतक था। इसके अलावा सिकंदर रजा ने 74 गेंदों पर

92 रन में नौ चौके और चार छक्के लगाए। हेमिल्टन मस्कादजा ने 48 रन की पारी खेली। अफगानिस्तान के लिए लेग स्पिनर राशिद खान ने 36 रन पर दो विकेट, मुजीब उर रहमान ने 47 रन पर एक विकेट और गुलबदिन नैब ने 85 रन पर एक विकेट हासिल किया।

जिम्बाब्वे से मिले 334 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी अफगानिस्तान की पूरी टीम 30.1 ओवर में 179 रन पर सिमट गई। अफगानिस्तान के लिए 10वें नंबर के बल्लेबाज दौलत जादरान 29 गेंदों पर नाबाद 47 रन में दो चौके और छह छक्के उड़ाए। रहमत शाह ने 61 गेंदों पर सात चौकों की मदद से 43 रन का योगदान दिया। मोहम्मद नबी ने 31 रन बनाए। जिम्बाब्वे के लिए क्रेमर ने 41 रन पर सर्वाधिक चार विकेट झटके जबकि तेंदेई चतारा को 24 रन पर तीन विकेट और ब्लेसिंग मुजरबानी को 51 रन पर दो विकेट मिले।

34वें स्थान पर रहे केशवन, अमेरिका को मिला पहला गोल्ड

प्योंगयोंग (एजेंसी)।

छठी बार शीतकालीन ओलंपिक में उतरे भारतीय ल्यूज एथलीट शिवा केशवन की प्योंगयोंग में रविवार को चुनौती खत्म हो गई और वो मेंस सिंगल्स ल्यूज स्पर्धा में 34वें स्थान पर रहे। 36 साल के केशवन का ये आखिरी ओलंपिक था और वो शनिवार को दो राउंड की हीट के बाद वह 34वें स्थान पर रहे थे। केशवन पहली हीट के बाद 36वें स्थान पर थे। लेकिन दूसरी में बेहतर प्रदर्शन करके 31वें स्थान पर रहे। हालांकि रविवार को तीसरी हीट के बाद भी 34वें स्थान पर रहे। शिवा ने अपनी स्पर्धा जब शुरू की तो वो दीवार से टकरा गए। लेकिन इससे उबरते हुए उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया और तीसरी दौड़ के बाद वो 34वें स्थान पर रहे। शिवा ने चार में से तीन दौड़ों के लिए ओवरऑल 2:28.188 सेकेंड का समय निकाला और 40 ल्यूजर्स के बीच वह 34वें स्थान पर रहे।

शिवा ने जापान के नागानो में 1998 में हुए खेलों से डेब्यू किया था। वो इससे पहले वर्ष 1998, 2002, 2006, 2010 और 2014 ओलंपिक खेलों में भाग ले चुके हैं।

आगे की स्लाइड में जानें किसने जीता गोल्ड...

फ्रांस की पेरीन लाफोंट ने महिलाओं की मोगुल्स स्पर्धा में रविवार को गोल्ड मेडल अपने नाम कर लिया। लाफोंट ने 2014 की चैंपियन कनाडा की जस्टिन डुफर लापोंटे और कजाखिस्तान की यूलिया गेलीशेवा को पछाड़कर पहला स्थान हासिल किया। लापोंटे और गेलीशेवा ने क्रम से सिल्वर और ब्रोन्ज मेडल जीते।

ऑस्ट्रिया के डेविड ने ल्यूज में जीता सोना

ऑस्ट्रिया के डेविड ग्लीश्चर ने पुरुष एकल के ल्यूज स्पर्धा में रविवार को गोल्ड मेडल अपने नाम कर लिया। इसी स्पर्धा में अमेरिका के ल्यूगर क्रिस मॉड्र्जर ने सिल्वर जबकि जर्मनी के जोहानस लुडविग ने ब्रोन्ज मेडल अपने नाम किया।

अमेरिका को मिला पहला गोल्ड

अमेरिका के युवा स्नोबोर्डर रेड गेरार्ड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने देश को पहला गोल्ड मेडल दिलाया। 17 साल गेरार्ड ने पुरुषों के स्लोपस्टाइल में अंतिम प्रयास में 87.16 का स्कोर कर पहला स्थान हासिल करते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया। कनाडा के मैक्स पेरट और मार्क मैकमोरिस ने क्रम से सिल्वर और ब्रोन्ज मेडल जीता। मैकमोरिस ने इससे पहले सोच्चि ओलंपिक में भी ब्रोन्ज जीता था। अमेरिकी एथलीट गेरार्ड अपनी पहली दो दौड़ में गिर गए और वो 11वें स्थान पर रहे। लेकिन तीसरे और अंतिम दौड़ में उन्होंने जोरदार प्रदर्शन किया और 87.16 के स्कोर के साथ गोल्ड मेडल जीता।

स्टीव स्मिथ ने दूसरी बार एलेन बोर्डर मेडल जीता

सिडनी। बेहतरीन फार्म में चल रहे आस्ट्रेलिया के क्रिकेट कप्तान स्टीव स्मिथ ने अपने पिछले स्वर्णिम 12 महीने का अंत मेलबर्न में दूसरी बार एलेन बोर्डर पदक जीतकर किया। डोनाल्ड ब्रैडमैन के बाद देश सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज माने जा रहे स्मिथ को 246 वोट मिले और उन्होंने दो बार के पदक विजेता डेविड वार्नर (162 वोट) और नाथन लियोन (156 वोट) को पछाड़ा। इससे पहले आस्ट्रेलिया के साल के सर्वश्रेष्ठ टेस्ट खिलाड़ी चुने गए स्मिथ ने 2015 में पहला बोर्डर मेडल जीता था। स्मिथ को इसी साल आईसीसी का साल का सर्वश्रेष्ठ टेस्ट क्रिकेटर भी चुना गया। महिला वर्ग में आलराउंडर एलिस पैरी ने दूसरी बार बेलिंडा क्लार्क पुरस्कार जीता और पिछले 12 महीने में आस्ट्रेलिया की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी बनी। पैरी ने इससे पहले 2016 में भी यह पुरस्कार जीता था। उन्होंने इसी साल आईसीसी की सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर भी चुना गया।

ताहिर ने भारतीय प्रशंसक पर नस्लीय टिप्पणी का आरोप लगाया

पोर्ट एलिजाबेथ। दक्षिण अफ्रीकी स्पिनर इमरान ताहिर ने आरोप लगाया है कि विराट कोहली की टीम के खिलाफ चौथे एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान एक भारतीय प्रशंसक ने उन पर नस्लीय फब्ती कसी जिससे देश के क्रिकेट बोर्ड ने इसकी जांच शुरू कर दी है। ताहिर शनिवार को जोहानिसबर्ग में बारिश से प्रभावित इस मैच में नहीं खेले थे जिसमें भारत को पांच विकेट से हार मिली थी। दक्षिण अफ्रीका के टीम मैनेजर मोहम्मद मूसाजी ने कहा कि यह खिलाड़ी जब 12वें खिलाड़ी की भूमिका निभा रहा था तो उसके खिलाफ नस्लीय टिप्पणी की गयी। मूसाजी ने कहा, ''मुझे इमरान की बात से जो समझ आया है कि उसे पूरे मैच के दौरान एक व्यक्ति ने मौखिक और नस्लीय टिप्पणी की। उन्होंने ड्रेसिंग रूम के सामने खड़े सुरक्षाकर्मियों को इसके बारे में बताया और दो सुरक्षाकर्मी इस टिप्पणी करने वाले व्यक्ति को देखने गये।' उन्होंने कहा, ''इमरान ने जो बताया, उसके अनुसार वह एक भारतीय प्रशंसक था।' यह घटना तब हुई जब वह वांडरर्स में खिलाड़ियों के ड्रेसिंग रूम और मैदान के बीच गलियारे में ऊपर नीचे जा रहे थे। ताहिर ने सीएसए को बताया कि जब वह ब्रेक के दौरान ऐसा करता तो यह प्रशंसक उनके खिलाफ टिप्पणी करता। मूसाजी ने पुष्टि की कि सीएसए ने इसकी जांच शुरू कर दी है। उन्होंने कहा, ''जब ताहिर वहां गया तो कुछ शब्दों की अदला बदली हुई। हालात को सामान्य बनाने के लिये उन्होंने उसे वहां से हटा दिया और उसे ड्रेसिंग रूम में ले आये।' मूसाजी ने कहा कि क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ताहिर पर कोई जुर्माना नहीं लगाने वाला क्योंकि बोर्ड ने उनका बयान स्वीकार कर लिया है। उन्होंने कहा, ''हमें जो बताया गया, उसके अनुसार कोई भी हाथापाई नहीं हुई और ना ही इस घटना में कोई बच्चा शामिल था जैसा कि सोशल मीडिया पर आया है।' फेसबुक पर एक वीडियो आया है जिसमें ताहिर की प्रशंसकों के एक समूह से गर्मागर्म बहस हुई थी जिसमें से एक ने भारतीय टीम की जर्सी पहनी हुई थी। यह वीडियो एक अन्य भारतीय प्रशंसक ने बनाया है जिसमें दोनों पक्षों के बीच कोई हाथापाई नहीं हुई है।

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री का सम्मान

सूरत। शहर के स्नेह संकुल प्रतिष्ठान ट्रस्ट तथा समस्त माहयावंशी समाज द्वारा सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री ईश्वर भाई परमार का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जहां समाज के पदाधिकारी सहित अन्य गणमान्य मौजूद थे।

डीजे ठीक से न बजाने पर सिरफिरे ने संचालक पर चाकू से किया हमला

संवाददाता, सूरत। शहर के आजाद नगर भारती सोसाइटी में वैवाहिक समारोह में डीजे पर मनपसंद गाना न बजाने के कारण एक सिरफिरा युवक डीजे बजाने वाले पर चाकू से हमला करके घायल कर दिया। जिसकी रिपोर्ट खटोदरा पुलिस थाने में दर्ज कराई गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार भटार के आजाद नगर रोड मंजू डाइंग के पास सिद्धि शेरी के घर नं. 23 में रहने वाले सागर भीखूभाई ढोडिया (21 वर्ष) विवाह के प्रसंगों में डीजे बजाकर गुजारा करते हैं। गत रोज सागर आजाद नगर के भारती सोसाइटी में वैवाहिक प्रसंग पर डीजे बजा रहे थे। उसी दौरान उमरागांव पासपोर्ट ऑफिस के पास रहने वाला सिरफिरा अनिल प्रजापति (23 वर्ष) ने सागर से डीजे ठीक से बजाने के लिए कहा। इस बात को लेकर दोनों में कहासुनी हो गई। जिससे तैश में आकर अनिल ने सागर पर चाकू से हमला करके घायल कर दिया। घटना के संदर्भ में सागर ने खटोदरा पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराया है। पुलिस रिपोर्ट दर्ज करके कानूनी कार्रवाई शुरू की है।

इन्वेस्ट के नाम पर ठग डकार गए 19.65 लाख रुपए

जीटी इन्वेस्ट प्रा. लि. के नाम से अन्य कई जमाकर्ता भी हुए ठगी के शिकार

संवाददाता, सूरत। लिंबायत के रतन चौक स्थित जीटी इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. नाम से बचत कंपनी में जमा किए गए 19.65 लाख रुपए की नियाद पूरी होने के बाद भी कंपनी के संचालकों द्वारा जमाकर्ता को रुपए वापस न देकर उसके साथ ठगी किए जाने की रिपोर्ट लिंबायत पुलिस थाने में दर्ज कराई गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार लिंबायत के उधना यार्ड, शास्त्रस्त्री चौक गली नं. 2, प्लॉट नं. 48 में रहने वाले मुमताजअली सादिकअली सैयद ने लिंबायत के रतन चौक स्थित जीटी इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. नामक बचत कंपनी में कुल 19,65,000 रुपए जमा किए थे। लेकिन कंपनी के संचालक कुतुबुद्दीन उर्फ राज निजामुद्दीन सैयद (923 टोकरशा की पोल, रायखंड अहमदाबाद, इस समय सेन्ट्रल जेल वडोदरा), निजामुद्दीन मोहम्मद मोहसीन मास्टर (2033/3, पीपलावाडी पोल, भंडेरी पोल के अंदर कालूपुर अहमदाबाद) तथा सुजात हुसेन सखावत हुसेन बुखारी (कुत्बेआलम दरगाह के बगल में वटवा, अहमादाबाद) ने मुमताजअली का जीटी इन्वेस्टमेंडट प्रा. लि. में जमा किया गया रुपया देने से इनकार कर विश्वासघात किया। आरोपियों ने इसी तरह अन्य जमाकर्ताओं से भी उनके रुपए न देकर ठगी किए हैं। लिंबायत पुलिस मुमताजअली की रिपोर्ट दर्ज करके आगे की जांच शुरू की है।

सलाबतपुरा के युवक ने लगाई फांसी

सूरत। शहर के सलाबतपुरा अरिहंत आवास के सामने रहने वाले युवक ने किसी अज्ञात कारणों से फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। सलाबतपुरा पुलिस सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार सलाबतपुरा आरकेटी मार्केट गेट नं. 3 के पास अरिहंत आवास के सामने रहने वाले सतीश रामलाल शर्मा (30 वर्ष) ने गत रोज रविवार को किसी कारणों से फांसी लगा कर आत्महत्या कर लिया। घटना के संदर्भ में जानकारी होने पर सलाबतपुरा पुलिस स्थल पर पहुंच कर मृतक सतीश की लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए स्मीमेर अस्पताल में भेजने के बाद मामले की जांच कर रही है।

डिंडोली के लक्ष्मण नगर से 11 जुआरी गिरफ्तार

सूरत। डिंडोली पुलिस ने लक्ष्मण नगर स्थित एक पतरे के मकान में छापा मारकर 11 जुआरियों को गिरफ्तार करके उनके पास से कुल 85 हजार रुपए का माल कब्जे में लेकर सभी जुआरियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार डिंडोली के लक्ष्मण नगर प्लॉट नं. 72 में रहने वाला अनिल उर्फ आबा रामदास पाटिल अपने फायदे के लिए बाहर से लोगों को अपने घर में बुलाकर जुआ खेलाता था। इस बारे में पुलिस को सूचना मिलने पर गत रोज स्थल पर छापा मारकर जुआ खेल रहे अनिल पाटिल, दीपक उर्फ मायकल आनंदा पाटिल (महादेव नगर सोसाइटी, डिंडोली), दत्तू उर्फ मामा सोनूभाई पवार (13 महाकाली नगर, गायत्री सिनेमा के पास, उधना) अंकुश उर्फ बापू विश्वास पाटिल (146 आरडी नगर नवागांव डिंडोली), समाधान उर्फ पप्या नामदेव पाटिल (81 आरडी नगर, राम नगर, नवागाम डिंडोली), भरत सीताराम धोबी (11 दीपाली पार्क, नवागांव डिंडोली), पंडेरीनाथ आत्माराम पाटिल (13 जमना पार्क सोसाइटी, नवागांव डिंडोली), कृष्णा गिरधर थोराट (57 जलाराम नगर सोसाइटी, नवागांव डिंडोली), राकेश भगवानभाई पाटिल (4-शिरडीधाम सोसाइटी, डिंडोली), अशोक उर्फ नाना बेलचंद्र पाटिल (27- शिरडीधाम सोसाइटी, डिंडोली) और अशोक माणेक पाटिल (108 लक्ष्मणनगर सोसाइटी,नवागांव डिंडोली) को गिरफ्तार करके उनकी तलाशी के दौरान तथा दांव पर लगे रुपए व मोबाइल सहित कुल 85,880 रुपए का माल कब्जे में लेकर पुलिस सभी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की है।

सिर पर कर्ज होने से तनाव में आकर युवक ने फांसी लगा दी जान

संवाददाता, सूरत। सचिन के पाली गांव में रहने वाला युवक सिर पर कर्ज अधिक बढ़ने के कारण तनाव में आकर घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सचिन के पाली गांव छोटूभाई की चाल में रहने वाला प्रताप बंशी स्वाई (25 वर्ष) पिछले कुछ समय से काम-धंधा नहीं कर रहा था। इस दौरान प्रताप के सिर पर काफी कर्ज हो गया था। जिसको लेकर प्रताप अक्सर काफी तनाव में रहने लगा था। शनिवार को शाम सात बजे के करीब प्रताप अपने रूम का दरवाजा अंदर से बंद कर पंखे में रस्सी बांधकर फांसी लगा आत्महत्या कर लिया। घटना की जानकारी होने पर सचिन पुलिस स्थल पर पहुंच कर लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल में भेजकर आगे की जांच कर रही है।

सेनेटरी पैड की उपयोगिता पर चर्चा

अग्रवाल विकास ट्रस्ट युवा महिला शाखा की युवतियों ने देखा पैडमैन

संवाददाता, सूरत। अग्रवाल विकास ट्रस्ट की युवा शाखा के तत्वाधान में बीते दिन पांच दर्जन से अधिक युवतियों को पैडमैन दिख्खाया गया। युवा शाख्खा की महिलाओं के बीच सेनेटरी पैड की उपयोगिता पर चर्चा हुई। अग्रवाल समाज विकास ट्रस्ट की युवा शाखा की महिलाओं के लिए सिटी प्लस सिनेमाघर में की गई स्पेशल स्क्रीनिंग में ख्शाखा से जुड़ी 65 युवतियों ने हिस्सा लिया। युवा शाख्खा की महिलाओं के बीच सेनेटरी पैड की उपयोगिता पर चर्चा हुई। अग्रवाल समाज विकास ट्रस्ट की युवा शाखा की महिलाओं के लिए सिटी प्लस सिनेमाघर में की गई स्पेशल स्क्रीनिंग में ख्शाखा से जुड़ी 65 युवतियों ने हिस्सा लिया।फिल्म देखने के बाद महिलाओं ने सेनेटरी पैड की उपयोगिता पर चर्चा की एवं आगामी दिनों में जरूरतमंदों तक सेनेटरी पैड पहुंचाने के लिए योजना बनाई गई।

सड़क हादसे में छह लोग जख्मी, तीन की हालत गंभीर

अहमदाबाद (ईएमएस)। शहर के शीलज सर्किल निकट देर रात्रि को एक कार चालक की जीप के साथ भिडंत हो गई। इस हादसे में कार में सवार छह लोग जख्मी हो गए जिसमें तीन की हालत नाजुक बताई जा रही है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु की है। सूत्रों के मुताबिक अहमदाबाद शहर के चांदलोडिया क्षेत्र के महाशक्ति अपार्टमेन्ट में रहनेवाले राहुलभाई परमार अपने परिवार के साथ पाटडी निकट स्वामीनारायण मंदिर में दर्शन के लिए कार में गए थे।

दीपक तले अंधेरा

पुलिस चौकी के पास शराब के अड्डे का वीडियो वायरल, बुटलेगर पकड़ाया

पुलिस कमिश्नर की नई पहल अब रंग ला रही है, नागरिक भी दिखा रहे हैं रुचि

संवाददाता, सूरत। वराछा के बरोडा प्रिस्टेज स्थित लंबे हनुमान के पास पुलिस चौकी के ठीक करीब शराब का अड्डा चलने का वीडियो वायरल होते ही स्थानीय पुलिस सकते में आ गई और बुटलेगर को तत्काल गिरफ्फ्तार कर ली।

प्राप्त जानकारी के अनुसार वराछा के बरोडा प्रिस्टेज स्थित लंबे हनुमान के लाभेश्वर पुलिस चौकी के पास एक छत पर काफी संख्ख्या में लोगों को शराब पीते हुए किसी जागरूक नागरिक द्वारा वीडियो वायरल करने से हंगामा मच गया। वायरल वीडियो अलग-अलग ग्रुपों द्वारा पुलिस कमिश्नर सतीश शर्मा तक जा पहुंचा। जिससे उन्होंने उस क्षेत्र के नायब पुलिस कमिश्नर को लताड़ते हुए शराब के अड्डे को तत्काल नष्ट करने का आदेश किया। कमिश्नर के आदेश के बाद तुरंत ही वराछा पुलिस स्थल पर पहुंच गई और छापा मारकर वहां के बुटलेगर नारायण जीवण शाहु (आंबावाड़ी, लाभेश्वर) को गिरफ्फ्तार कर उसके पास से 4500 रुपए की शराब कब्जा में कर ली। जबकि नारायण का भाई अजय और योगेश नामक युवक को वांटेड घोषित किया है।

सड़क हादसे में माता-पुत्र की मौत, पिता जख्मी

भरूच (ईएमएस)। जिले के अंकलेश्वर निकट हुए सड़क हादसे में माता-पुत्र की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि पिता जख्मी होने पर उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु की है। सूत्रों के मुताबिक भरूच निकट जनोर गांव का सोलंकी परिवार के तीन सदस्य बाइक पर अपने परिजन के शादी का निमंत्रण कार्ड देने सूरत जा रहे थे। तीनों बाइक पर अंकलेश्वर हाईवे पर से गुजर रहे थे। इस दौरान सामने से आ रहे ट्रक ने बाइक को अपनी चपेट में ले लिया। ट्रक की टक्कर से बाइक सवार माता-पिता और पुत्र सड़क पर जा गिरे। इस हादसे में गंभीर रूप से घायल माता और पुत्र की मौत पर ही मौत हो गई जबकि पिता बलवंतसिंह सोलंकी जख्मी हो गए।

श्री जगन्नाथ चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से रक्तदान शिविर का आयोजन

37 युनिट रक्त संग्रहित

संवाददाता, सूरत। पांडेसरा इलाके के जगन्नाथ नगर सोसायटी में स्थित श्री जगन्नाथ चेरीटेबल ट्रस्ट की ओर से रविवार को उड़िया समाज को जागरूक करने के लिए रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस रक्तदान कैंप में बड़ी संख्या में युवाओं ने रक्तदान किया। रक्तदान कैंप में न्यू सिविल अस्पताल के कुशल चिकित्सकों ने 37 युनिट रक्त संग्रहित किया।

इस अवसर पर श्री जगन्नाथ चेरीटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष बंशीधर लंका, श्रीकांत रावत, श्राष्कर प्रधान, ऋषिकेश स्वायन, भादाल प्रधान सहित काफी तादाद में ट्रस्ट के पदाधिकारी व उड़िया समाज के लोग मौजूद थे।

भक्त आज रिझाएंगे देवाधिदेव भोले भंडारी को

मंदिरों में होगी चार पहर की पूजा व विभिन्न अनुष्ठान

संवाददाता, सूरत। महाशिवरात्रि पर्व को लेकर शहर के शिव भक्तों में काफी उत्साह नजर आ रहा है। भक्तों की ओर से शहर के कंतारेश्वर महादेव मंदिर, गंगेश्वर महादेव मंदिर, रूंढ़ महादेव मंदिर, कामदेव महादेव मंदिर, दक्षेश्वर महादेव मंदिर, कम्बोई महादेव मंदिर, कामनाथ महादेव मंदिर, श्री काशी विश्वनाथ धाम मंदिर,

ईच्छानाथ महादेव मंदिर, त्रिकालदर्शी धाम मंदिर, भगवान दादा मंदिर कामरेज, आसपास दादा मंदिर, पंचमुखी हनुमान मंदिर स्थित शिवालय, साकेत आश्रम, अटल आश्रम सहित शहर के अन्य शिवालयों व मंदिरों को रंग रोगन व रंग बिरंगे झालरों से सजाया गया है। शिवरात्रि पर्व पर मंगलवार अल सुबह से ही शहर के तमाम शिवालयों में कांवड़ियों द्वारा शिवलिंग पर जलाभिषेक किया जाएगा।

वहीं भक्तों की ओर से शिवालयों में चारो पहर की पूजा, घी कमल चढ़ाकर पूजा अर्चना, शाम को भाजन संध्या का आयोजन किया गया है। शिव भक्त मंगलवार को मंदिरों व अपने घरों में भंग घोटेंगे व शाम को शिव बारात निकालकर चंग की थाप पर जमकर झूमेंगे।

कांग्रेस के सी प्लेन के बयान पर नीतिन पटेल ने किया पलटवार

गांधीनगर (ईएमएस)। नर्मदाराज्य में पानी की समस्या को लेकर कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव के समय साबरमती रिवरफ्रंट में मोदी द्वारा सी प्लेन उतारने पर पानी बहाए जाना का आरोप का डिप्टी सीएम नीतिन पटेल ने पलटवार किया है। डेप्युटी सीएम नीतिन पटेल ने कहा कि पर्यटन उद्योग के विकास हेतु राज्य में रोजगारी बढाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। सी-प्लेन के जरिये पर्यटन उद्योग के विकास होने पर लोगों को रोजगारी उपलब्ध कराने के लिए विधानसभा चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सी-प्लेन द्वारा अहमदाबाद से धरोई डेम तक उडान भरी थी। इस समय साबरमती रिवरफ्रंट में पर्याप्त पानी था। अधिक पानी नहीं भराया गया था। साबरमती रिवरफ्रंट में पानी भरे जाने का अहमद पटेल का बयान असत्य है। डिप्टी सीएम ने अहमद पटेल के बयान की आलोचना करते हुए कहा कि सी-प्लेन में प्रधानमंत्री नरेन्द्रभाई मोदी ने अहमदाबाद रिवरफ्रन्ट से धरोई डेम तक मुसाफरी की थी। जिसके द्वारा गुजरात में आनेवाले समय में पर्यटन का विकास होगा और युवाओं को रोजगार मिलेगा। कांग्रेस को यह विकास क्यों नहीं दिखाई दे रहा। राज्य के युवाओं में अपने ही वतन में रोजगार उपलब्ध कराने के लिए केन्द्र व राज्य सरकार मिलकर प्रयास कर रही है ऐसे में कांग्रेस ऐसे बयान देकर गुजरात को नुकसान पहुंचा रहे है। कांग्रेस को जनता पहचान चुकी है। विकास विरोधी लोगों को गुजरात की जनता कभी माफ नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने सत्ता हासिल करने के लिए अनेक झूठ फैलाये थे। इसके बावजूद गुजरात की जनता ने नरेन्द्रभाई मोदी व भाजपा में विश्वास कर 22 वर्ष के अलावा पांच वर्ष के लिए सत्ता भाजपा को सौंपी है। जिससे कांग्रेस के नेता सहन नहीं कर पा रहे। जनता को गुमराह करने के लिए कांग्रेस ऐसी बयानबाजी कर रहे हैं जो कि गुजरात की जनता भली भांति जानती है।

नशे में धुत स्कूल बस चालक ने रिक्शा को मारी टक्कर, दो जख्मी

वलसाड़ (ईएमएस)। जिले के उमरगाम के पास नशे में धुत स्कूल बस चालक ने रिक्शा चालक को टक्कर मार दी। इस हादसे में दो लोग जख्मी हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु की है। पिछले काफी समय से बेकाबू गति से स्कूल बस चालक बस दौड़ाते हुए अपनी और मासूम बच्चों की जान जोखिम में डालते हैं। स्कूल बस चालकों की लापरवाही का भोग मासूम बच्चे हो रहे हैं। ऐसी ही एक घटवा वलसाड के उमरगाम में प्रकाश में आई है। सूत्रों के मुताबिक वलसाड जिले के उमरगाम निकट स्कूल बस और रिक्शा के बीच भिडंत हो गई। इस हादसे में रिक्शा में सवार दो लोग जख्मी हो गए। स्कूल बस सरीगांव की लक्ष्मी विद्यापीठ की होने की जानकारी सामने आई है। बस चालक बच्चों को स्कूल में लाने के लिए निकला था इस दौरान यह हादसा हुआ। इस घटना के बाज गुस्साए लोगों ने बस चालक की धुनाई कर दी। बस की टक्कर से रिक्शा सम्पूर्ण रुप से क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस ने बस चालक को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की प्राथमिक जांच से पता चला है कि बस चालक शराब के नशे में था और बस चलाते हुए यह हादसा हुआ। पुलिस ने बस चालक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरु की है।

भाजपा मुख्यालय में नवनिर्वाचित सरपंचों का अभिवादन समारोह कल

गांधीनगर(ईएमएस)। प्रदेश भाजपा मुख्यालय कमलम में 14 फरवरी को नवनिर्वाचित सरपंचों का अभिवादन समारोह आयोजित किया गया है। समारोह में सीएम, डिप्टी सीएम समेत प्रदेश के पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे। अहमदाबाद शहर भाजपा प्रदेश प्रवक्ता ने जारी विज्ञप्ति में कहा है कि कुछ दिनों पहले पूर्ण हुए ग्राम पंचायतों के चुनाव में 8 प्रतिशत भाजपा समर्थित सरपंच व सदस्य चुने गए हैं। भाजपा सरकार की ग्राम्य विकासलक्षी व किसानलक्षी योजनाओं को फिर से ग्रामीण जनता ने समर्थन देकर सरपंचों को विजयी बनाया है। जात-पात, द्वेष और नकारात्मक राजनीतिक के चलते गुजरात विधानसभा के बाद लगातार छठ्ठी बार कांग्रेस को जनता ने नकारा है।

फर्जी प्रमाण पत्र पर नौकरी पाने वाले होंगे सस्पेन्ड

मुख्यमंत्री विजय रूपाणी सरकार का ऐतिहासिक निर्णय

गांधीनगर (ईएमएस)। आगामी विधानसभा सत्र में आदिवासी, दलित और अन्य पिछड़ी जातियों के आरक्षण के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा करने वाला कानून बनाया जाएगा। वन एवं आदिजाति मंत्री श्री गणपतसिंह वसावा ने आज राज्य सरकार द्वारा लिए गए इस ऐतिहासिक निर्णय की जानकारी दी। उनके साथ सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ईश्वरभाई परमार भी उपस्थित थे। सूरत सर्किट हाउस में पत्रकारों को जानकारी देते हुए मंत्री वसावा ने कहा कि आदिवासी, दलित और अन्य पिछड़ी जातियों के फर्जी जाति प्रमाण पत्रों द्वारा सरकारी नौकरी, शैक्षणिक लाभ, चुनाव के लिए आरक्षण को लेकर दिए जाने वाले जाली प्रमाण पत्रों के आधार पर लाभ लेने वाले या मदद करने वालों को तीन वर्ष तक के कारावास और पचास हजार रुपये तक के दंड की व्यवस्था इस कानून में की जाएगी। उन्होंने कहा कि हाल ही में फर्जी जाति प्रमाण पत्र इश्यू करने के मामले में तथा फर्जी जाति प्रमाण पत्र के आधार पर आरक्षण का लाभ हासिल किए जाने की खबरों के आधार पर यह निर्णय लिया गया है। संवैधानिक आरक्षण के अंतर्गत आने वाले वर्गों के हितों की रक्षा करने के लिए राज्य सरकार संकल्पबद्ध है। फर्जी प्रमाण पत्र के आधार पर जिसने नौकरी हासिल कर ली होगी।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **Tc.No. : GUJHIN00722**, E-mail: krantisamay@gmail.com